

फर्द अहकाम

बनाम _____

संख्या / वर्ष

/ 20

दिनांक आदेश या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
24/1/24	<p>पत्रावली नं. 24/1/24, R.O. काठमा/कार्य दिनांक 24/1/24 को पत्रावली दिनांक 21/3/24 को पत्रावली</p> <p style="text-align: right;"><i>[Signature]</i></p>	
11/3/24	<p>पत्रावली नं. 11/3/24, R.O. काठमा/कार्य दिनांक 11/3/24 को पत्रावली दिनांक 13/5/24 को पत्रावली</p> <p style="text-align: right;"><i>[Signature]</i></p>	
13/5/24	<p>पत्रावली नं. 13/5/24, R.O. काठमा/कार्य दिनांक 13/5/24 को पत्रावली दिनांक 16/6/24 को पत्रावली</p> <p style="text-align: right;"><i>[Signature]</i> उपखण्ड अधिकारी उपखण्ड, काठमा (जयपुर)</p>	
17/6/24	<p>पत्रावली नं. 17/6/24, R.O. काठमा/कार्य दिनांक 17/6/24 को पत्रावली दिनांक 6, 7, 12, 13, 14, 15, 16 हाजीर। जवाब प्रा. पत्र पेश गरी क्वीटो क्विट हेतु निवेदन करने पर जवाब क्विट निपा जाना है। क्विट उपपत्रों की प्रा गरी है।</p> <p style="text-align: right;"><i>[Signature]</i> उपखण्ड अधिकारी उपखण्ड, काठमा (जयपुर)</p>	

क्र. सं.

दिनांक आज्ञा
या कार्यवाही

कहल मुन्ने के उपरान्त एह पत्रे
है छि वादगत बनि के पत्र
व अपात्री लखारहार हेंक
विवादित बनि का विधि
विभाजन नही हुआ है।

कतः पाद

की कहुलता का रोकने व

वाद श्री विषय - वस्तु को कारण

रखने के लिए प्रा. पत्र के कारण

स. ७ में उल्लेखित बनि पर

उभय पक्षा का ताले जलवादा शक्ति

की यथास्थिति कारण रखने हेतु

पाठ्य विभा लहा है।

पत्रावली

के तम शुक्राट दोपहर १२ नमक

ले करे है।

(३)

सपखण्ड अधिकारी
चाकसू (जयपुर)